मेरे आदर्श (वीरता पुरस्कार विजेता) श्री विक्रम बत्रा

किसी महान इंसान ने सच ही कहा है की
“हवा से नहीं, शहीदों की सांसों से लहराता है तिरंगा,
हर लहर में वीरों की कुर्बानी का अफसाना बताता है तिरंगा।
ये तिरंगा हमारी शान, हमारी पहचान है,
हर रंग में देशभक्ति का जुनून बहाता है तिरंगा।“

हर व्यक्ति के जीवन में एक आदर्श होता है, जो उसे नई राह दिखाता है और प्रेरणा से भर देता है। मेरे लिए वह आदर्श कैप्टन विक्रम बत्रा हैं—वीरता का ऐसा प्रतीक, जिन्होंने अपनी शहादत से देश की माटी का क़र्ज़ चुकाया। कारगिल की कठिन लड़ाई में उनकी अदम्य साहस और बलिदान ने केवल उनके परिवार को ही नहीं, बल्कि समूचे राष्ट्र को गौरवान्वित किया। उनका जीवन मेरे लिए सिर्फ़ एक प्रेरणा नहीं, बल्कि एक मशाल है, जो मुझे साहस, सेवा और समर्पण का सही अर्थ सिखाती है, और मेरे जीवन को उद्देश्य से भर देती है।

कैप्टन विक्रम बत्रा ने अपने अद्वितीय जीवन से यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल शब्दों की सजावट नहीं, बल्कि एक जीवंत कार्य है। उन्होंने भारतीय सेना में भर्ती होकर अपने देश के प्रति अपार समर्पण का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। 1999 में जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तो उन्होंने निर्भीकता के साथ दुश्मन के सामने खड़े होकर अदम्य साहस का परिचय दिया। उनका चर्चित वाक्य "ये दिल मांगे मोर" न केवल उनके असीम साहस का प्रतीक है, बल्कि हर भारतीय के हृदय की धड़कन है। उनसे मैंने सीखा कि देशभक्ति एक पवित्र कर्तव्य है, जिसे हर नागरिक को गर्व से निभाना चाहिए। अपने देश के लिए जीने और मरने का जज्बा उन्होंने अपने जीवन से प्रमाणित किया है, और यही समर्पण हमें प्रेरित करता है कि हम भी अपने कर्तव्यों को निभाने में कोई कसर न छोड़ें।

कैप्टन विक्रम बत्रा का साहस और निडरता उनकी सबसे प्रमुख विशेषताएं थीं। चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, उन्होंने कभी पीछे हटना स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपने मिशन को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया और अंततः देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी यह निडरता मुझे हर चुनौती का सामना करने के लिए प्रेरित करती है। उनसे मैंने यह सीखा है कि जीवन में चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं, हमें अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते रहना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में हार नहीं माननी चाहिए।

कैप्टन बत्रा केवल एक वीर सैनिक नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक नेता भी थे। उन्होंने अपनी टीम का नेतृत्व करते हुए उन्हें हर चुनौती से उबारने का साहस दिखाया। उनके कुशल मार्गदर्शन में उनकी टीम ने कारगिल की कठिनाईयों के बीच दुश्मनों पर महत्वपूर्ण विजय प्राप्त की। उन्होंने यह साबित किया कि एक सच्चा नेता वही होता है, जो अपनी टीम के साथ हर परिस्थिति में खड़ा रहता है, उन्हें प्रोत्साहित करता है, और सबसे कठिन समय में भी उन्हें सही दिशा दिखाता है। उनके जीवन से मैंने नेतृत्व की वह कला सीखी है, जो मेरे जीवन में भी अमूल्य साबित हो रही है। मैंने यह समझा है कि सच्चा नेतृत्व दूसरों को प्रेरित करने, उनकी क्षमताओं को पहचानने, और उन्हें आगे बढ़ने का साहस देने में निहित होता है। उनका उदाहरण हमें सिखाता है कि एक नेता की असली पहचान उसके अनुयायियों की सफलता में होती

विक्रम बत्रा का आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण हर किसी को गहरी प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कभी भी मन में संदेह की जगह नहीं बनने दी और हमेशा सफलता की ओर आगे बढ़ते रहे। उनका यह गुण मुझे यह सिखाता है कि जीवन में आत्मविश्वास सबसे महत्वपूर्ण है। अगर हम खुद पर विश्वास करते हैं, तो कोई भी चुनौती हमें पराजित नहीं कर सकती। विक्रम बत्रा का जीवन इस बात का जीवंत उदाहरण है कि सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास के बल पर हम किसी भी कठिनाई पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

विक्रम बत्रा का जीवन कर्तव्यपरायणता और अनुशासन का एक उत्कृष्ट प्रतीक है। उन्होंने अपने कर्तव्यों को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी और उन्हें निभाने में कभी भी कोई लापरवाही नहीं बरती। उनका अनुशासन उनके जीवन के हर पहलू में परिलक्षित होता है। उनसे मैंने सीखा है कि जीवन में अनुशासन और कर्तव्यपरायणता अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जब हम अपने कर्तव्यों को सही तरीके से निभाते हैं, तो हम न केवल अपने लिए, बल्कि समाज और देश के लिए भी एक सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। उनका जीवन हमें प्रेरित करता है कि हम अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाकर एक उज्जवल भविष्य की नींव रख सकते हैं।

कैप्टन विक्रम बत्रा का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा आदर्श वह होता है, जो निस्वार्थ भाव से अपने देश, समाज और कर्तव्यों के प्रति समर्पित हो। उनके जीवन से मैंने देशभक्ति, साहस, त्याग, नेतृत्व, आत्मविश्वास और अनुशासन जैसे अनमोल मूल्य सीखे हैं। ये सभी मूल्य मेरे जीवन को एक नई दिशा प्रदान करते हैं और मुझे प्रेरित करते हैं कि मैं भी अपने जीवन में कुछ ऐसा करूं, जो समाज और देश के लिए उपयोगी हो। विक्रम बत्रा का संपूर्ण जीवन इस बात को पूरी तरह से सिद्ध करता है की

दुनिया में मिल जायेंगे आशिक कई
पर वतन से हसीं सनम नहीं होता
हीरो में सिमटकर सोने से लिपटकर मरते है कई
पर तिरंगे से खूबसूरत कफ़न नहीं होता

विक्रम बत्रा जैसे वीर योद्धा हमारे देश के गौरव हैं, और मैं उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए सदैव प्रयासरत रहूंगा।

Topic MY ROLE MODEL Date

My role model is Captain Vikram Batra, a true hero whose bravery & sacrifice during the Kargil War have left an indelible mark on my life. From his life, I have learned the values of courage, selflessness & patriotism. Captain Batra's fearless attitude in the face of danger, expressed by his famous words "YEH DIL MAANGE MORE" inspires me to face challenges head-on & never back down. His selflessness, putting the nation's safety above his own,

Topic _____ Date _____

teaches me the importance of serving others & contributing to the greater good. Lastly, his unending patriotism reminds me to love & respect my country & to always strive to make it a better place. His legacy is a beacon of inspiration, guiding me to live a life of honor, dedication & unwavering commitment to my values.

NAMAN SHARMA
III-C